संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'अ'

कक्षा -X

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क
(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

गंगा के डेल्टा के समुद्रांत छोर ने वनाच्छादित एक विस्तृत दलदली क्षेत्र को घेर रखा है जिसे सुंदरवन कहा जाता है। इस सुंदरवन की दर्दनाक दशा की ख़बरें आए दिन अख़बारों में छपती रहती हैं। अब सुंदरवन भी सुंदर नहीं रह गया। हमारी निर्दयता उसे भारी पड़ रही है। गंगा का केवल पौराणिक महत्व ही नहीं है उसे आज के संदर्भ में भी देखना होगा।

यही हाल यमुना का भी है। यह गंगा की पहली तथा बड़ी पश्चिमी सहायक नदी है। यह हिमालय पर्वतमाला में कामेत पर्वत के निकट से निकलती है। दिल्ली पहुँचने तक गंदगी के कारण यही नदी नाले में बदल जाती है।

ज़रा-सा भी ध्यान दिया जाए तो यह स्पष्ट हो जाता है कि सारा भारत आज भी प्रमुख नदियों के समूह में बँटा हुआ है। ये नदियाँ ही भारत की सवा सौ करोड़ जनता को जीवन प्रदान करती हैं। इसीलिए ये माता के समान पूजनीय, वंदनीय तथा संरक्षणीय हैं। पर हम हैं कि हम माताओं की महिमा तथा श्रम क फल भोगते हैं और उन्हें निराश, दरिद्र तथा दीन बनाने पर उतर आये हैं। आप सोचें हम कैसे हैं।

(i) गद्यांश का शीर्षक हो सकता है —

(क) गंगा की प्रशंसा। (ख) गंगा और हम।

(ग) नदियों की दुर्दशा। (घ) वंदनीय नदियाँ।

Savita Agarwal

Scanned by CamScanner

(ii) गंगा के डेल्टा का नाम है —

(क) कामेत (ख) सुंदरवन

(ग) समुद्रांत भूमि (घ) दलदली क्षेत्र

(iii) यमुना किसकी सहायक नदी है ?

(क) गंगा की (ख) नर्मदा की

(ग) ब्रह्मपुत्र की (घ) घाघरा की

(iv) नदियाँ माँ के समान वंदनीय, पूजनीय क्यों हैं ?

(क) फसल सिंचन द्वारा संतान के समान पालती हैं।

(ख) जीवन देती हैं।

(ग) महिमा प्रदान करती हैं।

(घ) सिंचाई करती हैं।

(v) हमने माता तथा नदियों को दरिद्र तथा दीन बना दिया है —

(क) उनकी उपेक्षा करके।

(ख) उनको गंदा करके।

(ग) उनकी महिमा घटाकर।

(घ) उनकी उपेक्षा और प्रदूषण से।

2 **निम्नलिखित गद्यांश पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

प्राचीन काल में सतयुग का वातावरण अनायास ही नहीं बना था। उसके लिए विद्वान गुरु विद्या विस्तार के दायित्व को पूरी तत्परता से सँभालते थे। आश्रमों, तीर्थों, आरण्यकों, गुरुकुलों मंदिरों जैसे स्थानों एवं कथा-सत्संगों, तीर्थ-यात्राओं, घर-घर अलख जगाने जैसी विद्याओं के माध्यम से जन-जन को श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों से विभूषित किया जाता था। अध्यात्म विद्या का अविरल प्रवाह हर क्षेत्र में बहता रहता था, जिसके कारण हर व्यक्ति आदर्शों को अपनाने

Scanned by CamScanner

तथा उस दिशा में कुछ कर गुजरने के लिए उत्साहित करता रहता था।

अंतराल में सद्भावनाएँ लहराती हों, तो कोई कारण नहीं कि प्राण-चेतना में उल्लास भरी उमंगें न उभरें और उस आकर्षण से प्रकृति का अनुग्रह अजस्र रूप से न बरसे, वातावरण में सुख-शांति के तत्व दीख न पड़े। सतयुग इन्हीं परिस्थितियों का नाम था। उसका सृजन उत्कृष्टता की पक्षधार मनस्थिति ही किया करती थी।

(i) विद्या विस्तार के दायित्व को पूरी तत्परता से सँभलने से किसका वातावरण बनता है?

(क) कलयुग का (ख) गुरुकुल का

(ग) कथा-सत्संगों का (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) विद्या विस्तार को पूरी तरह कौन सम्हालते थे।

(क) विद्वान गुरु (ख) भगवान श्रीराम

(ग) देवतागढ़ (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) हर व्यक्ति को आदर्श अपनाने तथा कुछ कर गुजरने के लिए कौन उत्साहित करता रहता था?

(क) अध्यात्म (ख) अध्यात्म विद्या का अविरल प्रवाह

(ग) निर्मल प्रवाह (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) सतयुग का अर्थ क्या है?

(क) सातवा युग (ख) सत्य का युग

(ग) संतों का युग (घ) उपरोक्त सभी

(v) निम्नलिखित में से नवीन का विलोम लिखो।

(क) प्राचीन (ख) नया (ग) निर्मित (घ) अनवीन

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

3 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

बहुत कठिन है भले-बुरे का, भेद आज कर पाना।

सहज-बोध के गन्तव्यों का, दुर्लभ हुआ सुझाना।

सबके मन में ललक बलवती,

ऊपर उठ पाने की।

किन्तु बढ़ी है भूख और भी,

सब कुछ खा जाने की।।

गिरा दूसरों को राहों में, बढ़ो दौड़ मंजिल की।

रही न किंचित चाह किसी की, साथी को संबल की।।

स्वार्थ-सिद्धि ही साध्य सभी

विध कैसे लक्ष्य मिलेगा।

कब तक जन-मानस विवेक

को, यों ही सहज छलेगा।।

ऐसे सम्भव नहीं धरा पर, सहज-बोध का वर्षण।

तड़पेगी पल-पल मानवता, हो न सकेगा तर्पण।।

बैर-भाव को त्याग सभी बढ़,

सृजन-पंथ अपनायें।

व्यक्ति दौड़ में फिसल रहे

Scanned by CamScanner

जो, उनको विहँस उठायें।।

(i) कवि की अभिलाषा है कि,-

(क) हम मनमुटाव छोड़कर सृजन के कार्य करें।

(ख) प्रगति की दौड़ में आगे बढ़ते चलें।

(ग) शोषितों के उद्धारक बनें।

(घ) दुखियों के दुखों का निदान करें।

(ii) मानवता के तड़पते रहने का कारण है,-

(क) स्वार्थपरता ही एकमात्र लक्ष्य होना।

(ख) जन-मानस में विवेक का अभाव होना।

(ग) शिक्षा का अभाव होना।

(घ) जन-जागरण का अभाव होना।

(iii) आज के युग की विशेषता नहीं है,-

(क) सभी लोगों की ऊपर उठने की ललक।

(ख) सब कुछ खा जाने की भूख।

(ग) दूसरों की हित-साधना की चिन्ता।

(घ) दूसरों को गिराकर लक्ष्य की ओर बढ़ना।

(iv) आज के युग में कठिन है पहचान-

(क) धूर्त्तता की।

(ख) वास्तविकता की।

(ग) सज्जन-दुर्जन के अन्तर की।

(घ) विषम समस्याओं के निदान की।

Scanned by CamScanner

(v) ''स्वार्थ-सिद्धि ही साध्य सभी विध'' में अलंकार है-

(क) उपमा (ख) श्लेष

(ग) अनुप्रास (घ) यमक

4 **निम्नलिखित पद्यांश पढ़ें तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखें :** 5

चांद - तारों - सी सहज क्रांति, नदियों में है मुस्कान भरी,

है पवन - झकोरों में दुलार खेतों में है दौलत बिखरी,

पग-पग मेरा विश्वास भरा,

तप से है यह जीवन निखरा,

प्रखर कर्म का पाठ सतत-

पढ़ती मैं भारत माता हूँ।।

मैं वज्र -सदृश विपदाओं को भी अनायास सह लेती हूँ,

सुधा - दान कर औरों को, मैं विष पीकर मुस्काती हूँ,

धीरज का पाठ पढ़ाती हूँ,

गैरव का मार्ग दिखाती हूँ,

मैं सहज बोधा, मैं सहज शक्ति -

मूर्तियाँ बना डालीं सजीव अनगढ़ पत्थर को काट-काट,

बंधुता - प्रेम को फैलाया, अपना ही अंतर बाँट-बाँट,

जिसके गीतों से जगत् मुग्धा,

जिसके नृत्यों पर जगत् मुग्धा

जिसकी कविता - धारा अविरल -

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

बहती वह भारत माता हूँ।।

(i) मुस्कान किसमें भरी हुई है?

(क) चाँद तारों में (ख) वृक्षों में

(ग) नदियों में (घ) पहाड़ों में

(ii) दौलत कहाँ बिखरी हुई है ?

(क) उद्यान में (ख) खेतों में

(ग) घरों में (घ) वन में

(iii) विष पीकर कौन मुस्कराती है?

(क) मीराबाई (ख) हरिदास

(ग) भारत माता (घ) ब्रज वसुन्धारा

(iv) अनगढ़ पत्थर को काट काट कर क्या बनाया गया?

(क) सजीव मूर्तियाँ (ख) खिलौने

(ग) हथियार (घ) बर्तन

(v) निम्नलिखित में अविरल का अर्थ है :

(क) धीरे-धीरे चलना (ख) निरन्तर बहना

(ग) उड़ना (घ) ठहरना

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए -** 3

(i) सच्चे आदमी को कभी कोई कमी नहीं रहती। (मिश्र वाक्य में)

Scanned by CamScanner

(ii) ज्यों ही वह घर पहुँचा, उस पर उसके पिता बरस पड़े। (सरल वाक्य में)

(iii) श्याम परोपकारी आदमी है इसलिए उसे सभी पूछते हैं। (सरल वाक्य में)

6 **निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए ।** 4

(क) रतनसिंह ने जंगल में भ्रमण किया। (कर्मवाच्य में)

(ख) आपके द्वारा सुंदर लेख लिखा गया। (कर्मवाच्य में)

(ग) नागेन्द्र से भलीभाँति तैरा गया। (कर्तृवाच्य में)

(घ) वे रो न सके। (भाववाच्य में)

7 **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।** 4

(क) आज बगीचे में <u>मनमोहक</u> फूल खिले थे।

(ख) शीतकाल में <u>हिमालय</u> बर्फ़ से ढका होता है।

(ग) न राम घर में/पर मिला <u>और</u> न उसके पिताजी।

(घ) घोड़ा बहुत <u>तेज़</u> दौड़ रहा था।

8 **निम्न प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दें :** 4

(क) करूण रस का स्थायी भाव लिखो।

(ख) उत्साह किस रस का स्थायी भाव है?

(ग) रौद्र रस का एक उदाहरण दें।

(घ) सरकंडे से हाथ-पांय और मटक जैसो पेट।

पिचके पिचके गाल दोउ मुंह तो इण्डिया गेट।। में रस छाँटिये।

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

खण्ड-ग
(पाठ्य-पुस्तक)

9 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)** 5

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए! लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा - यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

(क) श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने पतोहू के साथ कैसा व्यवहार किया? आप इसे कहाँ तक उचित मानते हैं?

(ख) बालगोबिन भगत की पतोहू ने भाई के साथ उनसे घर से न जाने के लिए क्या प्रार्थना की थी? इस प्रसंग में बहू के व्यवहार को आप कैसा मानते हैं?

(ग) भगत जी के समक्ष पतोहू की विवशता का कारण बताइए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

10(i) ''किंतु मालूम होता जैसे तागा टूट गया हो माला का एक-एक दाना बिखरा हुआ।'' पंक्ति का आशय 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर समझाते हुए बताइए कि गाँव वालों को कैसे विदित हुआ अब भगत नहीं रहे? 2

(ii) ''लखनवी अंदाज़'' पाठ के लेखक के द्वारा सेकंड क्लास का टिकट-ही खरीद लेने का कारण स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) फादर कामिल बुल्के भारत के प्रति अपने लगाव के बारे में क्या कहते हैं? 2

(iv) एक बार फिर कस्बे से गुजरते हुए हालदार साहब को चौराहे की ज्यादातर दुकानें तथा पान की दुकान भी बंद मिली तो उन्हें क्या असुविधा हुई होगी तथा उन्होंने कैसा अनुभव किया होगा? 2

Scanned by CamScanner

(v) पान वाले का रेखाचित्र अपने शब्दों मे वर्णन कीजिए। 2

11 **निम्नलिखित पद्यांश का पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (2+2+1)** 5

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।

साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।

जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई।।

(क) कविता में 'श्रीब्रजदूलह' किसे कहा गया है? उनके लिए प्रयुक्त विशेषण लिखिए।

(ख) कवि के आराध्य के मस्तक, नेत्रों तथा मुख की शोभा का वर्णन कीजिए।

(ग) ''कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई'' में निहित अलंकार बताइए।

JSUNIL TUTORIAL

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

12(i) ''पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन'' का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि पद्य में किसके ऊपर राई-नोन उतारा जा रहा है और क्यों? 2

(ii) अपनी बात कहने की अपेक्षा प्रसाद क्या करना अधिक उपयुक्त मानते हैं? 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए। 2

(iii) कवि के अनुसार फसल करोड़ों हाथों के स्पर्श तथा नदियों के पानी का जादू किस प्रकार है? समझाइए। 2

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

(iv) फागुन की आभा कैसी है और ''अट नहीं रही है'' कविता में उसकी स्थिति कैसी वर्णित हुई है? स्पष्ट कीजिए। 2

(v) सूरदास ने 'मधुकर' शब्द का किसके लिए प्रयोग किया है और क्यों? 2

13 बच्चों द्वारा बरात कैसे निकाली जाती थी? उनके द्वारा सजाई गई बारात तथा शादी के कार्यक्रम का वर्णन करते हुए 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बाबू जी उनके इस कार्यक्रम में किस तरह सम्मिलित होते थे? छोटों के प्रति बाबू जी के प्रेम के इस उदाहरण से आप क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं? 5

खण्ड-घ

(लेखन)

दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

14(i) **आपदाएँ यकायक आती हैं** 10

- प्रस्तावना
- आपदा का अर्थ यकायक आ जाना
- विविध आपदाएँ
- संरचनात्मक शमन
- तैयारी, बाद की कार्यवाही
- दुष्प्रभाव को कम करना

Scanned by CamScanner

स्वस्थ जीवन हेतु स्वावलंबन स्वस्थ जीवन हेतु स्वावलंबन 10

- भूमिका
- उक्ति का आशय
- सुस्वास्थ्य की आवश्यकता
- स्वावलंबन स्वस्थ रहने का आधार
- जीवन में आनन्द और स्वस्थ शरीर
- उपसंहार

(iii) **परमाणु शक्ति और भारत** 10

- भूमिका
- परमाणु शक्ति की आवश्यकता
- विविध उपयोग
- संहारात्मक ही नहीं रचनात्मक उपयोग भी
- उपसंहार

15 समाचार-पत्रों में विज्ञापनों की भरमार को कम करने और समसामयिक विषयों पर लेखन की आवश्यकता को दर्शाते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

16 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए—** 5

आज विज्ञापन हमारे मन को विचलित करने में लगे हैं। अरे भाई आजकल बाज़ार में शोषण तो कई रूपों में होता ही है। उदाहरणार्थ, कभी-कभी व्यापारी अनुचित व्यापार करने लग जाते हैं, जैसे दुकानदार उचित वजन से कम वजन तौलते हैं या व्यापारी उन शुल्कों को जोड़ देते हैं, जिनका वर्णन पहले उपभोक्ता से न किया गया हो या मिलावटी/दोषपूर्ण वस्तुएँ बेची जाती हैं। फिर विज्ञापन एक साक्षात् धोखा है।

जब उत्पादक थोड़े और शक्तिशाली होते हैं और उपभोक्ता कम मात्रा में खरीददारी करते हैं और बिखरे हुए होते हैं, तो बाज़ार उचित तरीके से कार्य नहीं करता है। विशेष रूप से यह स्थिति तब होती है, जब इन वस्तुओं का उत्पादन बड़ी कंपनियाँ कर रही हों। ये उपभोक्ता या क्रेता को धार धरकर लूटते हैं।

-o0o0o0o-

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner